SHRI KAPIL SIBAL: We cannot accept it...(*Interruptions*)...

SHRI NILOTPAL BASU: We cannot accept it....(*Interruption*)... In protest, we stage a walk out.....(*Interruption*)...

(At this stage, some Hon. Members left the Chamber)

MR. CHAIRMAN: Now, the question is over, Next Question. Shrimati Savit Sharda.

युवाओं को अनिवार्य सैन्य प्रशिक्षण

*43. **श्रीमति सविता शारदा: ††**
श्रीमती बिम्बा रायकर:

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) क्या सरकार का देश के युवाओं को अनिवार्य सैन्य प्रशिक्षण देने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस संबंध में अंतिम निर्णय कब तक लिए जाने की संभावना है;

(घ) क्या राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु एन सी सी, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, होम गार्ड और क्षेत्रीय सेना के कार्यकलापों के एकीकरण और समन्वय हेतु कोई प्रयास किए गए है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रक्षा मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडिस): (क) जी, नहीं।

(ख) और (ग) उपर्युक्त (क) के मद्देनजर प्रश्न नहीं उठते।

(घ) इस समय ऐसा कोई प्रस्ताव विचारधीन नहीं है।

(ङ) उपर्युक्त (घ) के मद्देनजर प्रश्न नहीं उठता।

Mandatory Military training to youths

†*43. SHRIMATI SAVITA SHARDA:††
SHRIMATI BIMBA RAIKAR:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Government propose to impart mandatory military tranining to the youths of the country;

---

††यह प्रश्न सभा में श्रीमति सविता शारदा द्वारा पूछा गया।

†Original notice of the question was received in Hindi

††The question was actually asked on the floor of the House by Shrimati Savita Sharda.

(b) if so, the details thereof;

(c) by when a final decision in this regard is likely to be taken;

(d) has there been any effect to unify and co-ordinate the activities of NCC, Bharat Scouts and Guides, Home Guard and Territorial Army for national defence; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) No, Sir.

(b) and (c) Does not arise in view of (a) above.

(d) At present, there is no such proposal under consideration.

(e) Does not arise in view of (d) above

श्रीमती सविता शारदा: धन्यवाद सभापति महोदय, मंत्री जी ने अपने उत्तर में बताया है कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। देश में बढ़ती हुई आंतकवाद की घटनाओं को देखते हुए तथा युवा वर्ग में देशप्रेम की भावना पैदा करने के लिए क्या सरकार का कोई ऐसी व्यवस्था करने का प्रस्ताव है जिससे आंतकवाद का सख्ती से मुकाबला किया जा सके तथा कॉलेज लेविल पर एन॰सी॰सी॰ को कम्पलसरी करने के लिए कोई विशेष रीति है ताकि प्राकृतिक आपत्ति के समय युवा वर्ग इसमें अपना सहयोग दे सके?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो॰ चमन लाल गुप्ता): यह प्रश्न मिलिट्री ट्रेनिंग के संबंध में था। लेकिन अब इन्होंने यह पूछा है कि क्या हम एन॰सी॰सी॰ को कम्लसरी कर सकते हैं। सभापति महोदय, इस समय जो एन॰सी॰सी॰ एनरौल्ड हैं उसमें हमारे देश के अंदर विद्यार्थियों की संख्या लगभग 13 लाख है। एक लाख संख्या हमने पिछले डेढ वर्ष में इंक्रीज की है, बढ़ाई है और इसी मात्रा में हम इसको इंक्रीज करते हुए चले जा रहे है। 1962 में चायना के आक्रमण के समय एन॰सी॰सी॰ कम्पलसरी की गई थी। लेकिन उसके तुरन्त बाद फिर से नहीं रहने दिया था। तो आज भी मैं समझता हूं कि जितनी कास्ट इंवोल्व्ड हैं उसको देखते हुये इसको कम्पलसरी करना हमारे लिए इस समय बिल्कुल संभव नहीं होगा। लेकिन इसकी संख्या हम निश्चित रूप से बढ़ाते चले जा रहे हैं और जो माननीय सदस्या की एक मंशा है कि हमें पैट्रियोटिक स्प्रिट पैदा करनी चाहिए उस दृष्टि से मैं समझता हूं कि हमारे बहुत सारे ऐसे प्रयोग है जो अपने देश के अंदर किए हैं जिसमें एन॰सी॰सी॰ है। टेरिटोरियल आर्मी है, इसको भी हम प्रोत्साहन दे रहे है और इसी के साथ होमगार्ड को प्रोत्साहन दे रहे हैं। स्काउट्स एंड गाइड्स को भी बढ़ाया जा रहा है एन॰सी॰सी॰ केडेट्स बढ़ाए जा रहे है। इस प्रकार से यह जो इनकी स्प्रिट है उसका पूरा-पूरा ध्यान रखा जा है।

श्रीमती सविता शारदा: सभापति महोदय, मेरा दूसरा प्रश्न है कि 21-3-2002 को मंत्री महोदय ने लोक सभा में इसी प्रश्न में बताया था जैसाकि अभी मंत्री जी ने बताया कि मिलिट्री स्कूल, राष्ट्रीय इंडियन कॉलेज, आर०आई०एम०सी० और एन०सी०सी० तथा होमगार्ड के अन्तर्गत इन्हें ट्रेनिंग मिल रही है। और अभी माननीय मंत्री महोदय ने बताया कि 13 लाख स्टूडेंट्स इसमें ट्रेनिंग ले रहे है। मै माननीय मंत्री से पूछना चाहती हूं कि पूरे भारत में ऐसे कितने ट्रेनिंग कॉलेजिज हैं? अभी मुझे बाहर जाने का अवसर प्राप्त हुआ। वहां कालेज स्टूडेंटस को कॉलेज लैवल के बाद कंपलसरी मिलिट्री ट्रेनिंग दी जाती है ताकि वे देश के लिए काम कर सकें। जो नैचुरल कैलामिटिज आती है।, उसमें भी वे अपना सहयोग दे सकेंगे। क्या मंत्री महोदय युवा वर्ग के लिए मिलिट्री ट्रेनिंग कंपलसरी करेंगे? क्या आपकी नीति में इस प्रकार की कोई व्यवस्था है?

प्रो० चमन लाल गुप्ता: जहां तक मिलिट्री ट्रेनिंग का सवाल है, वह तो हमने इस प्रश्न के उत्तर में ही कहा है कि वह संभव नहीं है। उसके दो कारण हैं। एक तो यह डेमोक्रेटिक कंट्री है और इसके अंदर हम किसी को मजबूर नहीं कर सकतें हैं कि वह कौन सा प्रोफैशन अडॉप्ट करे और दूसरा इसकी कॉस्ट बहुत ज्यादा है। अगर सिर्फ दो करोड़ यूथ्स को हमें ट्रेन्ड करना हो तो उसमें 20 हजार करोड़ रुपए तुरंत चाहिए और रिकरिंग खर्च लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का है। इस प्रकार से 40 करोड़ विद्यार्थी जो हमारे यूथ्स है, उनको अगर मिलिट्री देनी पड़े तो उसमें कितनी कॉस्ट आ सकती है, इसका आप स्वयं अंदाजा लगा लीजिए।

श्री सभापति: श्रीमती बिम्बा रायकर। अनुपस्थित। प्रश्न संख्या 44

आई०डब्लयू०डी०पी, डी०पी०ए०पी०, डी०डी०पी० तथा टी०डी०ई०टी० के तहत हिमालच प्रदेश को धन राशि

*44 **श्री कृपाल परमार:** क्या ग्रामीण विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग के तहत क्रियान्वित समेकित बंजरभूमि विकास कार्यक्रम (आई०डब्लयू०डी०पी) सूख प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम (डी०पी०ए०पी०), मरूभूमि विकास कार्यक्रम (डी०डी०पी०) एवं प्रौद्योगिकी विकास, विस्तार तथा प्रशिक्षण (टी०डी०ई०टी०) के अधीन हिमालच प्रदेश को गत दो वर्षों में कितनी राशि प्रदान की गई ; और

(ख) इस राशि का राज्य सरकार ने किस प्रकार सदुपयोग किया?

ग्रामीण विकास मंत्री (श्री काशी राम राणा): (क) और (ख) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है।